प्रेम दी जंजीर नाल

प्रेम दी जंजीर नाल सावरे नु बनिये ,
किसे तरकीब नाल सावरे नु बनिये,

पूछिए यशोदा कोलो दस माये हाल नी,
किवे श्याम बनिया सी उखली दे नाल सी,
इसे तरकीब नाल सावरे नु बनिये,
प्रेम दी.....

सभा विच द्रौपती ने श्याम नु पुकारेया,
साड़िया दा ढेर मेरे सावरे ने तारेया,
येहो जेही लिर नाल सावरे नु बनिये,
प्रेम दी....

स्वर : कृष्ण दास भूटानी

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/2027/title/prem-di-jangeer-naal-sanware-nu-baniye-kise-tarkeeb-nal-sanware-nu-baniye

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |